

# डॉ. जॉर्ज पेटन, बाइबल अनुवाद, सत्र 9, अनुवाद और संचार में चुनौतियाँ, सांस्कृतिक मुद्दे।

© 2024 जॉर्ज पेटन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. जॉर्ज पेटन द्वारा बाइबल अनुवाद पर दिए गए उनके व्याख्यान हैं। यह सत्र 9 है, अनुवाद और संचार में चुनौतियाँ, सांस्कृतिक मुद्दे, भाग 1।

अपनी पिछली बातचीत में, हम बाइबल अनुवाद के पीछे के कुछ आधारभूत विचारों, अवधारणाओं और सिद्धांतों के बारे में बात कर रहे थे।

अब, हम वास्तव में कुछ चुनौतियों पर चर्चा करने जा रहे हैं जिनका सामना आपको सुसमाचार संदेश और बाइबल को अन्य भाषाओं में संप्रेषित करने की कोशिश में करना पड़ता है। मूल रूप से दो मुख्य सामान्य श्रेणियाँ हैं। पहली भाषाई है।

बस भाषा संबंधी कुछ समस्याएं होती हैं जो बाइबिल की भाषा या जिस भाषा में आप अनुवाद करने की कोशिश कर रहे हैं, उसमें मौजूद होती हैं, जिससे संचार संभव नहीं होता है और सिर्फ़ सीधे-सीधे शब्द-दर-शब्द अनुवाद करना संभव नहीं होता। इसलिए, हम उनमें से कुछ का पता किसी अन्य वार्ता में लगाएंगे। लेकिन इस वार्ता में, दो भाग होंगे: हम अभी जिस पर काम कर रहे हैं, वह अनुवाद में सांस्कृतिक मुद्दे हैं, दोनों संस्कृतियों की समझ होना क्यों महत्वपूर्ण है और कैसे संस्कृति वास्तव में अनुवाद संबंधी कठिनाइयों का स्रोत हो सकती है।

तो, हम भाषाई प्रकार की स्थानांतरण चुनौतियों और सांस्कृतिक प्रकार की स्थानांतरण चुनौतियों के बारे में बात कर रहे हैं। और इसलिए, हम पहले सांस्कृतिक चुनौतियों से शुरुआत कर रहे हैं। मुझे बस कुछ बातें कहने दीजिए।

हर कोई कहता है, ठीक है, आपको संदर्भ को समझने की आवश्यकता है। खैर, संदर्भ का क्या अर्थ है? यह एक बहुत बड़ा शब्द है और हम इसके सभी पहलुओं को कवर नहीं करने जा रहे हैं, लेकिन कुछ ऐसे कारक क्या हैं जिन्हें हमें बाइबल अनुवाद को देखते समय देखना होगा? पहली बात स्थिति का संदर्भ है। उस समय और वहाँ क्या हो रहा था? जब यीशु इस व्यक्ति या उस व्यक्ति से बात कर रहे थे तो वे कहाँ थे? और जो घटनाएँ हो रही हैं, जिनके बारे में हम पढ़ रहे हैं, उनके पीछे का संदर्भ क्या है? लेकिन हमें स्थिति को उसके सांस्कृतिक संदर्भ में भी देखने की आवश्यकता है और जो हो रहा है उसका समग्र रूप से संस्कृति, उनके इतिहास, उनकी मान्यताओं और कई अन्य चीज़ों से क्या संबंध है।

इसलिए, हम संस्कृति को बाइबिल के अंश के संदर्भ के हिस्से के रूप में देख रहे हैं। दूसरी बात यह है कि हम संस्कृति को पाठ के भीतर ही देखते हैं। तो, पाठ में वास्तव में क्या हो रहा है? जिन लोगों पर चर्चा की जा रही है या जिस विषय पर चर्चा की जा रही है, उनके बीच क्या हो रहा है, अगर यह कथात्मक खंड नहीं है? तो, पाठ के भीतर।

लेकिन फिर भी, अगर आप किसी खास शब्द का अनुवाद करने की कोशिश कर रहे हैं तो वाक्य में क्या चल रहा है? और उस शब्द के कोलोकेशन क्या हैं? कोलोकेशन का मतलब है कि आप जिस शब्द को देख रहे हैं उसके साथ दूसरे शब्द भी हैं। तो, कोलोकेशन का मतलब है सह-स्थान। वे एक ही वाक्य में स्थित हैं।

और यह क्यों महत्वपूर्ण है? हम देखेंगे कि यह वास्तव में हमारे द्वारा किसी विशेष शब्द की व्याख्या करने के तरीके को कैसे प्रभावित करता है। जब हम उस शब्द की व्याख्या करते हैं, तो यह हमें यह जानने में मदद करता है कि इसका अनुवाद कैसे किया जाए। ये सभी चीजें हमारे दिमाग में हर बार तब चलती हैं और परस्पर क्रिया करती हैं जब हम शास्त्र का कोई अंश पढ़ते हैं, हर बार जब हम शास्त्र की कोई आयत पढ़ते हैं।

तो, चलिए मैं एक उदाहरण देता हूँ। अब मैं आपसे पूछना चाहता हूँ, मैं एक वाक्य पढ़ने जा रहा हूँ और आप मुझे बताएँ कि जब मैं यह वाक्य पढ़ूँगा तो आपके दिमाग में क्या मानसिक तस्वीर आएगी। उसने अपनी गर्लफ्रेंड के लिए एक अंगूठी खरीदी।

मन में क्या मानसिक तस्वीर आती है? आप में से कितने लोगों ने सोचा, ओह, लड़का लड़की को प्रपोज़ करने जा रहा है? क्या मैंने सगाई की अंगूठी कहा? मैंने नहीं कहा। लेकिन कितने लोगों ने सगाई की अंगूठी के बारे में सोचा? आपने शायद कहा होगा। कितने लोगों ने सोचा कि उसने अभी तक प्रपोज़ नहीं किया है? क्यों? क्योंकि वह अपनी गर्लफ्रेंड के लिए अंगूठी खरीदता है, वह लड़की जिसके साथ वह डेट कर रहा है, और वह उससे प्यार करने लगता है, और वह उससे प्यार करती है, और वह उसे सभी सही संकेत दे रही है।

और वह कहता है कि अब समय आ गया है, जैसा कि हम अंग्रेजी में कहते हैं, कि शादी का प्रस्ताव रखा जाए। उस सरल वाक्य से, वह और अंगूठी और प्रेमिका आपके और मेरे दिमाग में इस तस्वीर में उभरे, लड़का शादी का प्रस्ताव रखने जा रहा है और यह एक विवाह प्रस्ताव है। आप देख सकते हैं कि वाक्य में शब्द और लड़के और लड़की का संदर्भ इस समझ, इस पृष्ठभूमि ज्ञान और संस्कृति को कैसे ट्रिगर करता है, और हम क्या करते हैं।

यह सब वाक्य पढ़ते ही एक पल में शुरू हो गया। और अगर हम इस पर गौर करें, तो मैं आपसे पूछता हूँ। जब कोई लड़का किसी लड़की को प्रपोज़ करता है, तो वह किस घुटने का इस्तेमाल करता है? वह किस पैर का इस्तेमाल करके घुटने टेकता है? दायें पैर।

ठीक है। आपमें से कितने लोग जो दूसरी संस्कृतियों से हैं, उन्हें नहीं पता कि मैं घुटने टेकने के बारे में क्या कह रहा हूँ? मैंने कभी नहीं कहा कि घुटने टेकने का क्या मतलब है, है न? लेकिन आप अमेरिका से हैं, और आप इसे जानते हैं, और मैं भी जानता हूँ, और यह आमतौर पर दाहिना पैर होता है। क्यों? कौन जानता है? शायद वह आदमी दाएँ हाथ का हो, और ऐसा होना आसान है।

मुझे नहीं पता। वैसे भी, आप सभी जानते हैं कि मैं जिस बारे में बात कर रहा था, उसका यही हिस्सा है। क्यों? क्योंकि हम संदर्भ जानते हैं, हम अपनी संस्कृति में उन जीवन स्थितियों को जानते हैं, और हम उन सामान्य चीजों को जानते हैं जो घटित होती हैं।

तो, हम जानते हैं कि क्या, हम जानते हैं कि कहाँ, हम घटनाओं का क्रम जानते हैं, हम जानते हैं कि उसे क्या कहना चाहिए, है न? हम यह सब जानते हैं। वह छोटा सा वाक्य हमारे दिमाग में उन सभी चीजों को ट्रिगर करता है। शायद सभी एक ही समय में नहीं, लेकिन कम से कम हमें इसकी एक तस्वीर मिलती है और यही हमें इसके बारे में सोचने पर मजबूर करता है।

ठीक है? तो, हम इन सांस्कृतिक संदर्भों के बारे में बात कर रहे हैं और यदि आप शब्द को देखें, तो यह संदर्भ का अर्थ फ्रेम या संदर्भ का अर्थ फ्रेम है जो इस विशेष घटना के आसपास है। और इसलिए, हम उस पूरे परिदृश्य को देख रहे हैं जो आमतौर पर उस संदर्भ में होता है। और वह परिदृश्य वाक्य में नहीं लिखा गया है।

यह संदर्भ से प्रेरित होता है। यह वास्तव में बहुत महत्वपूर्ण है। इसलिए, हम न केवल अर्थ समझते हैं, बल्कि हम यह भी समझते हैं कि वाक्य से क्या प्रेरित होता है।

प्रेमी-प्रेमिका की सगाई होने वाली है, लेकिन इसके पीछे की पूरी कहानी भी। इसलिए, हमें यह समझने की ज़रूरत है कि वाक्य केवल पाठ के संदर्भ में ही नहीं होते हैं, बल्कि वाक्य और पाठ उस विशेष समाज के पूरे सांस्कृतिक परिवेश में निहित होते हैं। ठीक है, मैं आपको एक और वाक्य पढ़ने जा रहा हूँ।

उसने अपनी मंगेतर के लिए एक अंगूठी खरीदी। क्या ये दोनों एक ही चीज हैं? अधिकतर हाँ, है न? लेकिन क्या हुआ? उसने पहले ही उसे प्रपोज कर दिया। अब, किस तरह का आदमी बिना शादी की अंगूठी के, बिना जाकर अंगूठी खरीदे प्रपोज करता है? दरअसल, मैंने ऐसा किया, और मेरी पत्नी ने फिर भी विनम्रतापूर्वक हाँ कह दिया।

तो, मैंने उसे अंगूठी तो दिलवाई, लेकिन यह ठीक उसी समय नहीं हुआ जब मैंने उसे प्रपोज किया, है न? तो, हम देखते हैं कि कैसे एक शब्द अलग होने से हमें उस सांस्कृतिक ढांचे पर थोड़ा बदलाव मिलता है, संदर्भ का थोड़ा अलग ढांचा, उससे थोड़ा अलग जो उसने प्रपोज किया या उसने अपनी गर्लफ्रेंड के लिए अंगूठी खरीदी। तो, मैं आपको गारंटी देता हूँ कि अगर कोई लड़का और लड़की डेट पर हैं, मान लीजिए कि वे साथ में डिनर कर रहे हैं, और वह टेबल से उठता है और अपनी जेब से कुछ निकालता है, और अपने दाहिने घुटने के बल पर बैठ जाता है, तो वह पागल हो जाती है और वह सोचती है, हे भगवान, क्या वह वाकई प्रपोज कर रहा है? वह प्रपोज करता है, और फिर वह हाँ कहती है, और फिर पूरा रेस्टोरेंट तालियां बजाता है। सगाई के विपरीत पहले से ही सगाई हो चुकी है, और फिर वह उसके लिए सगाई की अंगूठी खरीदता है।

तो, हम क्या कह रहे हैं? हम कह रहे हैं कि ये मानसिक चित्र इस सांस्कृतिक ढांचे का हिस्सा हैं, यह संदर्भ का सांस्कृतिक ढांचा है जो वाक्य में शब्दों द्वारा ट्रिगर होता है, और यह उस

परिस्थितिजन्य संदर्भ को ट्रिगर करता है जिसे हम जानते हैं। यही कारण है कि हम कहते हैं कि भाषा गूढ़ और अनुमानात्मक है। गूढ़ का अर्थ है यह संक्षिप्त या संक्षिप्त है।

अनुमान से तात्पर्य है कि व्यक्ति को यह अनुमान लगाने या समझने की आवश्यकता है कि क्या कहा गया था, और हम अधिकांश समय यह समझ लेते हैं कि क्या कहा गया था क्योंकि हमारे पास यह सारा ज्ञान, यह विश्वकोशीय ज्ञान, हमारे मस्तिष्क में ज्ञान का यह विशाल भंडार है जिसे हम अपनी संस्कृति में अन्य लोगों के साथ साझा करते हैं। प्रत्येक व्यक्ति का अपना होता है, लेकिन हम भी बहुत कुछ साझा करते हैं, और यह संचार को कम समय में होने देता है। आप किसी अमेरिकी से बात कर सकते हैं, या आप अपने गृह क्षेत्र के किसी व्यक्ति से बात कर सकते हैं, और आप कह सकते हैं, अरे, क्या आप कभी ऐसे-ऐसे रेस्तराँ में गए हैं? हाँ, मुझे वह जगह बहुत पसंद है।

आपको यह बताने की ज़रूरत नहीं है कि यह किस सड़क पर है या कुछ और, हर कोई इसे जानता है क्योंकि यह सबसे प्रसिद्ध रेस्तराँ है। इसलिए वह साझा ज्ञान, वह साझा विश्वकोश सांस्कृतिक ज्ञान ही संचार को संभव बनाता है, और हम बाइबल में लोगों को उसी तरह से संवाद करते हुए देखते हैं। और हम संक्षिप्त कथन और सरलीकृत टिप्पणियाँ देखते हैं जो कही गई बातों से परे अर्थ से भरी होती हैं।

इसलिए, हमें संदर्भ, परिस्थिति का संदर्भ, सांस्कृतिक संदर्भ समझना होगा। और आपको याद होगा कि पिछले व्याख्यान में मैंने पीली बसों का जिक्र किया था, यह एक उदाहरण है। जब मैंने पीली बसों का जिक्र किया, तो हम सभी जानते थे कि हम स्कूली बच्चों को स्कूल ले जाने और फिर दिन के अंत में घर ले जाने के बारे में बात कर रहे हैं।

तो, पीली बसें, ध्यान दें कि अमेरिका में स्कूल बसों को छोड़कर पीले रंग की कोई और बस नहीं है। मुझे लगता है कि उन्होंने शायद ऐसा डिज़ाइन के हिसाब से किया है। तो मुझे बस इतना कहना है कि पीली बसें, और हम सभी जानते हैं कि हम किस बारे में बात कर रहे हैं।

ठीक है, हमारे पास शब्द है बनाना, और हम शब्द का इस्तेमाल कई अलग-अलग तरीकों से करने जा रहे हैं। यह इस बात को स्पष्ट करता है कि हमें न केवल वाक्य में शब्दों पर ध्यान देने की ज़रूरत है, बल्कि हमें उस तस्वीर को भी ध्यान में रखना होगा जो यह हमारे दिमाग में लाती है, वह अर्थपूर्ण, वह सांस्कृतिक ढांचा जो पाठ के पीछे छिपा है जो पाठ के बाहर है। तो, जेन ने एक शॉपिंग लिस्ट बनाई।

बिलकुल सीधा-सादा। उसने क्या किया? उसने उन चीज़ों की एक सूची लिखी जो वह खरीदना चाहती थी। शब्द 'खरीदना' शब्द 'शॉपिंग' में ही निहित है।

और कई बार, हर बार नहीं, लेकिन कई बार, यह किराने की खरीदारी होती है। इसलिए वह फ्रिज, पेंटी और बाकी सभी चीज़ों को देखती है और उन चीज़ों की सूची बनाती है जो खत्म हो चुकी हैं और जो चीज़ें वह खरीदना चाहती है। और इसलिए, वह वस्तुओं की यह सूची लिखती है।

'बनाया हुआ' का मतलब है वस्तुओं की सूची बनाना। इस बारे में क्या? जॉन ने जेन के साथ मिलकर बनाया। इससे कौन सी मानसिक तस्वीर उभरती है? इससे कौन सी सांस्कृतिक स्थिति दिमाग में आती है? जॉन और जेन शायद किसी तरह के रिश्ते में हैं।

शायद यह एक रोमांटिक रिश्ता है, और सिर्फ़ यही नहीं, यह एक कामकाजी रिश्ता भी हो सकता है, लेकिन कई बार, जब मैंने यह वाक्य देखा तो सबसे पहले मेरे दिमाग में यही आया कि यह एक रोमांटिक रिश्ता है। हम और क्या अनुमान लगा सकते हैं? फिर से, हम अनुमान लगा रहे हैं, हम अनुमान लगा रहे हैं, हम इसका पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। हम इस वाक्य से और क्या अनुमान लगा सकते हैं? मनगढ़ंत।

मतलब क्या है ? इसका मतलब है मेल-मिलाप करना। इसका मतलब है फिर से साथ आना। शांति स्थापित करना।

और अपराधी कौन था? शायद जॉन। उसने शायद अपनी गर्लफ्रेंड या मंगेतर या पत्नी को नाराज़ किया हो, और उसे स्थिति को ठीक करने के लिए कुछ करने की ज़रूरत थी। हो सकता है कि वह जाकर माफ़ी मांगे और उसके लिए कुछ फूल लेकर जाए और कहे, मुझे सच में बहुत खेद है, और जो भी हो।

तो, यह एक रिश्ते में सुलह की पूरी अवधारणा है। और यह सब इसलिए होता है क्योंकि उसने कोई बात नहीं बनाई, उसने किसी के साथ समझौता किया। उन शब्दों ने उस स्थिति को दिमाग में ला दिया।

इस बारे में क्या? जॉन ने डाकू की तरह काम किया। हम एक अलग मुहावरों के बारे में बात करने जा रहे हैं, लेकिन चलिए अभी इन मुहावरों के बारे में बात करते हैं। काम किया।

क्या जॉन ने कुछ बनाया? नहीं। डाकू की तरह बनाया गया एक पूरा मुहावरा है जिसे हम लेते हैं। हम इन मुहावरों को शब्द दर शब्द अलग करके प्रत्येक शब्द का अनुवाद करने की कोशिश नहीं कर सकते।

आप ऐसा नहीं कर सकते। यह एक संपूर्ण पैकेज है। यह एक संपूर्ण इकाई है।

डाकू की तरह दिखने का मतलब है कि वह किसी ऐसे प्रयास में बहुत सफल रहा जो उसकी अपेक्षा से कहीं ज़्यादा था। तो, डाकू एक चोर होता है जो फिर आता है और बहुत सारा सामान चुरा लेता है और इसलिए उसके पास यह सब सामान होता है जो उसे बिना ज़्यादा मेहनत के मिल जाता है। तो, जॉन ने ... एक डाकू की तरह दिखने लगा।

हो सकता है कि वह स्टोर पर गया हो और उसे किसी चीज़ पर बहुत अच्छा सौदा मिल गया हो। किसी तरह, उसे किसी विशेष स्थिति में बहुत फ़ायदा हुआ हो। हमें नहीं पता कि क्या हुआ।

तो यह छोटा सा शब्द आउट सब कुछ बदल देता है। यह शब्द आउट शब्द मेक का पूरा अर्थ बदल देता है। और इसलिए मेक आउट मेड अप या मेक अप से अलग एक अलग इकाई है।

और हमने देखा कि मेक अप के कम से कम दो अर्थ हो सकते हैं और शायद इससे भी ज़्यादा। मुझे उम्मीद है कि मैं भाषाई रूप से बहुत ज़्यादा नहीं बोल रहा हूँ, लेकिन ये शब्द वाकई बहुत महत्वपूर्ण हैं। इसलिए जब आप सेमिनरी जाते हैं, और आप ग्रीक के शब्दों को तोड़ना सीखते हैं, और आप पार्स करना सीखते हैं, और आप सीखते हैं कि इन सभी क्रियाओं के कितने अलग-अलग क्रिया रूप हैं, भूत और वर्तमान और भविष्य और प्लूपरफेक्ट और ये सब दूसरी चीज़ें, और हम पेड़ों के लिए जंगल को भूल जाते हैं।

वाक्य में कौन से शब्द हैं, वे एक दूसरे से कैसे जुड़े हैं, और वे दूसरे शब्द हमें उस शब्द को समझने में कैसे मदद करते हैं जो प्रश्न में है? इसलिए, अगर हम इसके बहुत करीब पहुंच जाते हैं और बहुत विश्लेषणात्मक हो जाते हैं तो हम इनमें से कुछ चीज़ों को याद कर देते हैं। लेकिन ये ऐसी चीज़ें हैं जो एक अर्थ में अभी भी विश्लेषणात्मक हैं। और मैं बस इतना कर रहा हूँ कि जो आप पहले से ही जानते हैं उसे स्पष्ट कर रहा हूँ।

अनुवाद की स्थिति में जो गलत है वह यह है कि जिस तरह से वे बाइबल में भाषा का उपयोग करते हैं वह हमारे लिए स्पष्ट नहीं है क्योंकि हम उस संस्कृति से नहीं हैं और हम उस भाषा से नहीं हैं। यही समस्या है। और इसलिए, हमें अपनी संस्कृति को बाइबल की भाषाओं और उनकी सांस्कृतिक स्थितियों में विभाजित करने के बारे में जो कुछ भी पता है उसे लागू करना होगा ताकि हम इसे समझ सकें और अनुवाद की प्रक्रिया को याद रख सकें, पाठ को समझ सकें और फिर इसे इस दूसरी भाषा में संप्रेषित कर सकें।

मेरे पास एक और वाक्य है। मैं पहले ही माफ़ी मांग लेता हूँ, लेकिन यह यहाँ है। जॉन ने जेन के साथ संबंध बनाए।

ठीक है, आप सभी जानते हैं कि इसका क्या मतलब है, है न? लेकिन यह तथ्य कि यह जेन के साथ है और कुछ और नहीं, हमारे दिमाग में डेटिंग रिलेशनशिप की सांस्कृतिक स्थिति और वे क्या करते हैं, की एक पूरी तरह से अलग तस्वीर लाता है। इसलिए, जब हम बाइबल को देखते हैं, तो आइए हम इन्हीं लेंसों को लागू करें, अगर आप इसे इस तरह से रखना चाहते हैं, तो आइए हम बाइबल के पाठ में सामग्री को तोड़ने के लिए इन्हीं मानदंडों को लागू करें। तो, अब हम बाइबल के कुछ उदाहरण देखने जा रहे हैं।

तो, यह मार्क से है। मार्क 1, 40-45, यीशु गलील क्षेत्र में था। और एक कोढ़ी यीशु के पास आया, और उससे विनती करके उसके सामने घुटनों के बल गिरकर कहा, यदि तू चाहे, तो मुझे शुद्ध कर सकता है।

यीशु ने तरस खाकर अपना हाथ बढ़ाया और उसे छूकर कहा, "मैं चाहता हूँ, शुद्ध हो जा।" और तुरन्त उसका कोढ़ जाता रहा, और वह शुद्ध हो गया। और उसने उसे चेतावनी देकर तुरन्त विदा कर दिया।

और उसने उससे कहा, देखो, किसी से कुछ मत कहना, बल्कि जाकर अपने आप को याजक को दिखाओ और अपने शुद्धिकरण के लिए मूसा ने जो आज्ञा दी है उसे उनके लिए गवाही के

रूप में चढ़ाओ। ठीक है, तो मान लीजिए कि हम इस अंश का स्वाहिली में अनुवाद करने की कोशिश कर रहे हैं, और हम इस पहली आयत पर आते हैं। पहली आयत कहती है, और एक कोढ़ी आदमी यीशु के पास आया, उससे विनती की और घुटने टेककर उससे कहा, अगर तू चाहे तो मुझे शुद्ध कर सकता है।

बहुत सीधा और सरल, है न? हाँ, लेकिन एक समस्या है। जैसे अंग्रेजी में, साफ करने, किसी चीज़ को साफ करने या किसी चीज़ को साफ करने के लिए आपके पास कई अलग-अलग शब्द हो सकते हैं, वैसे ही स्वाहिली में भी यही बात है। तो, स्वाहिली में, पहला शब्द सफ़िशा है।

तो, आप सफ़िशा करके घर को साफ कर सकते हैं। तो आप चीज़ों को व्यवस्थित करते हैं और झाड़ु लगाते हैं और धूल झाड़ते हैं और जो भी करते हैं। आपके पास ओशा शब्द है, जिसका मूल ओगो है, जिसका अर्थ है स्नान करना।

तो, ओशा का मतलब है कि आप पानी से कुछ साफ करते हैं, जैसे बर्तन। ओशा। फुवा, फुवा का इस्तेमाल केवल कपड़ों के लिए किया जाता है।

आप बर्तन नहीं धोते, आप घर नहीं धोते, आप केवल कपड़े या कपड़े धोते हैं। और फिर चौथा है तकासा, शुद्धिकरण करना। इसलिए, जब कोई मुसलमान मस्जिद में जाता है, तो उसे अपनी धार्मिक क्रियाएँ करनी होती हैं, और ऐसा करना तकासा कहलाता है।

तो, व्यक्ति शुद्ध होकर बाहर आता है। तो, हम इनमें से कौन सा शब्द चुनें? आइए फिर से इस अंश को देखें, और शायद हम इसे समझ सकें। ठीक है, तो एक कोढ़ी यीशु के पास आया, उससे विनती की और उसके सामने घुटनों के बल गिरकर कहा, अगर आप तैयार हैं, तो आप मुझे शुद्ध कर सकते हैं।

तो पहली सदी के लोगों के लिए कोढ़ी शब्द का क्या मतलब है? यह उनके दिमाग में इस पूरी उलझन को जन्म देता है कि कोढ़ क्या है और कोढ़ से कैसे निपटा जाए। और अगर हम समय निकालें, तो हम लेवितिकस में वापस जाएँगे, और वहाँ दो या तीन अध्याय हैं कि अगर आपको कोढ़ है तो आपको क्या करना चाहिए। और अगर हम इसे देखें, तो कोढ़ लेवितिकस के एक भाग में है जो सिर्फ कोढ़ से ज़्यादा के बारे में बात करता है; यह स्वच्छता के बारे में बात करता है।

और इसलिए, यदि आप किसी मृत जानवर को छूते हैं, या यदि आप किसी मृत शरीर को छूते हैं, तो आप रात होने तक अशुद्ध रहते हैं। एक महिला का मासिक चक्र उसे तब तक अशुद्ध रखता है जब तक वह पूरी तरह से नहा न ले। पति-पत्नी के बीच संबंध उन्हें तब तक अशुद्ध रखते हैं जब तक वे नहा न लें।

और इसलिए, कुछ रोग की यह पूरी बात साफ और अशुद्ध की इस पूरी बात में समाहित है। लेकिन उससे भी ज़्यादा, इसका संबंध धार्मिक पवित्रता से है। जो व्यक्ति अशुद्ध है उसे मंदिर में जाकर पूजा करने की अनुमति नहीं है।

जो व्यक्ति अशुद्ध है, उसे स्नान करना होगा, खुद को शुद्ध करना होगा, लेविटिकस में बताए गए अनुष्ठानों का पालन करना होगा, उसके बाद ही उसे पूजा समुदाय में फिर से प्रवेश करने की अनुमति दी जाएगी। अंग्रेजी में, हमारे पास अनुष्ठान शुद्धता की यह अवधारणा नहीं है। कई संस्कृतियों में, जिनसे मैंने संपर्क किया है, और मैंने अफ्रीका के लोगों से बात की है, जिनके साथ हमने काम किया है, मैंने एशिया के लोगों से बात की है जो एशिया के विभिन्न हिस्सों से हैं, और उनमें से कई के पास अनुष्ठान शुद्धता और अनुष्ठान अशुद्धता की यह अवधारणा है।

और इसलिए, यह उनके लिए एक ज्ञात बात है, लेकिन हम जो उस संस्कृति से नहीं हैं, हम नहीं समझते हैं। तो, अगर यीशु कोढ़ी को छूता है तो क्या होता है? यीशु क्या बन जाता है? अशुद्ध। हालाँकि, अगर आप लेविटिकस में पढ़ते हैं, और यह पूरी तरह से शुद्ध और अशुद्ध की बात है, और आपके पास वेदी और वेदी से जुड़ी चीज़ों के बारे में निर्देश हैं, और यह सच है कि अगर कोई अशुद्ध चीज़ किसी चीज़ को छूती है, तो वह चीज़ अशुद्ध हो जाती है।

हालाँकि, यह भी कहा गया है कि अगर कोई पवित्र या शुद्ध चीज़ किसी दूसरी चीज़ को छूती है, तो वह चीज़ भी शुद्ध हो जाती है। यहाँ यीशु के बारे में यह हमें क्या बताता है? यीशु पवित्र हैं, और इस अपवित्र, अशुद्ध व्यक्ति को छूकर, वे उसे धार्मिक रूप से शुद्ध और स्वच्छ बनाते हैं। क्या यह सिर्फ मेरी अटकलें हैं? खैर, चलिए आगे पढ़ते हैं।

यीशु उसे कहाँ भेजते हैं? यह कहो : तुम किसी से कुछ नहीं कहते, लेकिन कहाँ जाते हो? डॉक्टर के पास, और डॉक्टर से अपनी जाँच करवाओ। नहीं। पुजारी के पास जाओ, क्योंकि पुजारी तुम्हें धार्मिक पूजा समुदाय में वापस जाने की अनुमति देता है।

इस आदमी के संबंध में पुजारी कहाँ था? पुजारी यरूशलेम में था, सौ मील दूर, और मूसा के कानून के अनुसार शुद्ध होने की यह पूरी प्रक्रिया लगभग एक सप्ताह तक चलती है। तो, आप वहाँ पूरे एक सप्ताह तक रहते हैं, और फिर आप खुद को दिखाते हैं, और आप कुछ बार स्नान करते हैं और ये सभी काम करते हैं। तो, आदमी जानता था कि उसे यह सब करने के लिए यरूशलेम जाना होगा, लेकिन आप पुजारी के पास जाते हैं क्योंकि आपको धार्मिक रूप से शुद्ध घोषित करने की आवश्यकता होती है।

इसके साथ ही, हम जानते हैं कि कुछ रोग से पीड़ित लोगों को न केवल समुदाय से बाहर निकाल दिया गया था, बल्कि वे अपने परिवारों से भी दूर हो गए थे। वे अपने परिवार के लोगों से मिलने-जुलने नहीं जा सकते थे। वे घर नहीं जा सकते थे, और इसलिए जब यीशु ने उन्हें चंगा किया, तो उन्होंने उन्हें वापस उनके जीवन में ला दिया।

उसने उसे एक नया जीवन दिया। उसने उसे उसका परिवार वापस दिया। उसने उसे उसका समुदाय वापस दिया।

वह फिर से संबंधित था। और इसलिए, यह सब इसमें बंधा हुआ है। और इसलिए, इसे समझते हुए, फिर हम इन स्वाहिली शब्दों को देखते हैं, फिर यह स्पष्ट है कि हम कौन सा चुनते हैं।

हम आखिरी विकल्प चुनते हैं। और यही स्वाहिली बाइबिल में लिखा है: अगर आप तैयार हैं, तो आप मुझे ताकासा कर सकते हैं। आप मुझे धार्मिक रीति से शुद्ध कर सकते हैं।

मुझे बस एक पल के लिए उस दूसरे अंश पर वापस जाना है, और कुछ अन्य बातों को रेखांकित करना है जिनके बारे में हमने पिछले कुछ भाषणों में बात की है। हमने उन चीजों के बारे में बात की है जो स्पष्ट रूप से स्पष्ट रूप से बताई गई हैं। हमने उन चीजों के बारे में बात की है जिनके बारे में संकेत दिया गया है लेकिन स्पष्ट रूप से नहीं बताया गया है।

और इस अंश में उनमें से बहुत सारे हैं। स्वच्छ और अशुद्ध के बारे में यह पूरी बात उन बड़ी पिछली कहानियों में से एक है जिसके बारे में बात नहीं की जाती है। और इसके बारे में बात क्यों नहीं की जाती है? यीशु को इसका उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि वह इस कोढ़ी से बात कर रहा है जो जानता है।

और कोढ़ी जानता है कि यीशु जानता है। वे दोनों जानते हैं। मार्क भी जानता है कि उसके लेखक, क्षमा करें, उसके पाठक, पहली सदी के यहूदी, वे भी जानते हैं।

हम सब इसी से हैं। मूसा के समय से ही हमारे पास ये कानून लगभग एक हज़ार साल से हैं। इसलिए, हर कोई इसे जानता था।

इसलिए, मार्क को इसका उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं है, और वह यहाँ अपना अंश संक्षिप्त कर सकता है। फिर, आइए देखें कि यीशु क्या कहता है। जाओ और अपने आप को पुजारी को दिखाओ।

कौन सा पुजारी? क्या एक से ज़्यादा पुजारी थे? हाँ। एक महायाजक था, और दूसरे पुजारी थे जो काम करते थे। और खास तौर पर, जानवरों की बलि देने का काम।

लेवियों और याजकों का गोत्र इसका एक उपसमूह है। याजक जानवरों और अन्य चीज़ों की बलि चढ़ाते थे। लेकिन लेवियों ने कभी जानवरों को नहीं छुआ।

यह केवल पुजारी का कर्तव्य था। और इसलिए आपको पुजारी के पास जाना होगा। और टिप्पणियों में पढ़ने से आपको यह विचार मिलता है।

उस समय ड्यूटी पर मौजूद पुजारी या फिर मंदिर में मौजूद पुजारी में से कोई एक जब आप वहां जाते हैं। ठीक है। अपनी शुद्धि के लिए भेंट चढ़ाएं।

याद रखें, वह ठीक हो गया है, और उसे कुछ काम करने की ज़रूरत है। और यही बात लैव्यव्यवस्था में बताई गई है। यही मूसा ने आज्ञा दी थी।

तो यह लेवितिकस का संदर्भ है। तो, पुजारी किसी बिंदु पर कहता है, तुम शुद्ध हो। और फिर वह नहाता है, और फिर वे यह बलिदान करते हैं, और फिर एक दावत करते हैं।

यह भोज किसके लिए है? पुरुष के लिए? और क्या यह पुजारी के लिए है? नहीं, ऐसा नहीं है। यह शायद उसके परिवार या उसके आस-पास के समुदाय के लिए है। तो, उनके लिए गवाही के रूप में, क्या यह पुजारियों के लिए गवाही है? शायद नहीं, क्योंकि पुजारी पहले से ही जानते हैं।

वे ही थे जिन्होंने कहा, ठीक है, तुम अच्छे हो। तुम स्वच्छ हो। यह हर किसी के लिए, समुदाय के लिए एक गवाही है, कि तुम समाज में वापस जाने और उनके साथ चलने के लिए स्वतंत्र हो।

यह कुछ ऐसा है जैसे जब आप कोविड में थे, और आप कोविड से बीमार थे, और आप काम पर नहीं आ सकते थे क्योंकि आप कोविड से बीमार थे। आपको डॉक्टर की रिपोर्ट की ज़रूरत थी कि आपका कोविड के लिए परीक्षण किया गया है और आप अब कोविड से बीमार नहीं हैं। यह कितना गंभीर था? कभी-कभी यह बहुत गंभीर होता था।

मेरे जीजा और उनका परिवार कोविड के दौरान ही जर्मनी चले गए थे, जहाँ वे एक अमेरिकी कंपनी में नौकरी करने लगे थे। और इसलिए, उनके जाने से ठीक पहले हम उनके साथ थे। और उन्होंने कहा, हाँ, हमें कोविड टेस्ट करवाना होगा।

वैसे, यह जर्मन सरकार के लिए है। हमें विमान में चढ़ने के 36 घंटे के भीतर कोविड टेस्ट करवाना था। उसके बाद, हमें विमान से उतरने पर भी टेस्ट करवाना था।

और वे बच्चों को कोविड टेस्ट नहीं देते, इसलिए उन्हें एक हफ़्ते के लिए अलग-थलग और क्वारंटीन में रखते हैं। और अगर हफ़्ते भर के बाद उनमें कोई लक्षण नहीं दिखते, तो आपको यह रिपोर्ट मिलती है कि आप जाने के लिए तैयार हैं। जर्मन सरकार बहुत सख्त है।

आप इनमें से किसी भी नियम को नहीं तोड़ सकते। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो आप उस होटल से बाहर नहीं निकल पाएँगे जहाँ आप और आपके बच्चे हैं। ऐसी ही स्थिति होती है।

आपको सही अधिकारियों से यह मंजूरी लेनी होगी कि आप स्वतंत्र और स्वच्छ हैं और किसी अन्य व्यक्ति को संक्रमित नहीं करेंगे। संस्कृति। हम इसमें डूबे हुए हैं, और हमें इसका एहसास नहीं है।

तो, जैसा कि हमने कहा, स्वाहिली का मतलब शुद्ध करना है। अब मान लीजिए कि आपने मार्क की किताब को पहली किताब के रूप में पढ़ा है, और फिर आपने ल्यूक में यह अंश पढ़ा है। जब वह यरूशलेम के रास्ते पर था, वह सामरिया और गलील से गुज़र रहा था, तो वह एक गाँव में घुस गया।

और दस कोढ़ी दूर खड़े होकर उससे मिले, और ऊंचे शब्द से कहने लगे, कि हे यीशु, हे स्वामी, हम पर दया कर। उस ने उन्हें देखकर कहा, कि जाकर अपने आप को याजकों को दिखाओ। और जाते ही वे शुद्ध हो गए।

ताकासा। बढ़िया। वे दूर क्यों खड़े थे? अगर आप कुष्ठ रोग समझते हैं, तो हम पहले ही इस बारे में बात कर चुके हैं।

वे लोगों के करीब नहीं आ सकते। है न? तो, आप मार्क से यह पहले ही जान चुके हैं। यहाँ बताई गई सारी बातें आपको समझ में आ गई होंगी।

यीशु ने उसे याजकों के पास क्यों भेजा? यही तो एक सामान्य प्रक्रिया है जो आप करते हैं। और जब वे जा रहे थे, तो वे ठीक नहीं हुए। इसमें ठीक होने जैसा कुछ नहीं लिखा है।

इसमें लिखा है शुद्ध किया गया। ठीक है। इसलिए, क्योंकि हमें मार्क से यह ज्ञान है, क्योंकि हमने अपना शोध किया है और हम नए नियम और पुराने नियम में कुछ रोग को समझते हैं, तो हम इसे बिना किसी स्पष्टीकरण के समझ सकते हैं।

क्या यह बढ़िया नहीं है? हम पहले से ही वहाँ हैं। तो, हम बस इसे पढ़ सकते हैं, और हम इसे समझ सकते हैं, और फिर बाकी का अंश पढ़ सकते हैं। ठीक है।

आइए एक और अंश के बारे में बात करते हैं। मार्क में यह अंश, यीशु और एक आराधनालय शासक के साथ उनकी बातचीत से शुरू होता है, और फिर यह उससे आगे बढ़कर किसी और की ओर जाता है। जब यीशु नाव में सवार होकर दूसरी तरफ़ गया, तो उसके चारों ओर एक बड़ी भीड़ जमा हो गई।

सो वह समुद्र के किनारे रहने लगा। और याईर नाम आराधनालय के सरदारों में से एक आया, और उसे देखकर उसके पाँवों पर गिरकर बिनती करके कहने लगा, कि मेरी छोटी बेटी मरने पर है: तू आकर उस पर हाथ रख, कि वह चंगी होकर जीवित रहे।

वह उसके साथ चला गया, और एक बड़ी भीड़ उसके पीछे चली गई और उस पर दबाव बनाने लगी। उस अभिव्यक्ति को याद रखें, उस पर दबाव डालने वाली। कहानी जारी है।

एक महिला जो 12 साल से रक्तस्राव से पीड़ित थी और कई चिकित्सकों के हाथों बहुत कुछ सह चुकी थी और अपना सब कुछ खर्च कर चुकी थी, उसे कोई मदद नहीं मिली, बल्कि उसकी हालत और भी खराब हो गई। यीशु के बारे में सुनने के बाद, वह भीड़ में उसके पीछे आई और उसके वस्त्र को छू लिया, क्योंकि उसने सोचा कि अगर मैं उसके वस्त्र को छू लूँगी, तो मैं ठीक हो जाऊँगी। तुरंत, उसका रक्त बहना बंद हो गया, और उसने अपने शरीर में महसूस किया कि वह अपनी बीमारी से ठीक हो गई है।

यीशु ने तुरन्त जान लिया कि मुझ में से सामर्थ निकल आई है, और भीड़ में घूमकर कहने लगा, मुझे किसने छुआ? मेरे वस्त्र को किसने छुआ? उसके चेहों ने उससे कहा, तू देखता है कि भीड़ इधर-उधर देख रही है, और भीड़ तुझ पर गिर रही है, और तू कहता है, मुझे किसने छुआ? तब उसने उस स्त्री को देखने के लिए इधर-उधर देखा जिसने यह किया था। परन्तु वह स्त्री डरती और काँपती हुई, यह जानकर कि मेरे साथ क्या हुआ है, आई, और उसके पाँवों पर गिरकर उसे सब हाल सच-सच बता दिया। उसने उससे कहा, बेटी, तेरे विश्वास ने तुझे चंगा कर दिया है। कुशल से जा और अपना क्लेश दूर कर।

इसलिए, हम इस अंश का अनुवाद करने की कोशिश कर रहे हैं और हम इस हिस्से का अनुवाद करने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या हुआ था। और जो कुछ भी हुआ, उसके कारण वह डर गई। फिर से, हम सांस्कृतिक याद रखना चाहते हैं, हम स्थिति को याद रखना चाहते हैं, हम जो हुआ उसके परिदृश्य को याद रखना चाहते हैं।

और इसलिए, अगर आप इस चीज़ को अपने दिमाग में वीडियो की तरह चलाते हैं, तो हम क्या देखते हैं? हम यीशु और यार्डर को देखते हैं और वे चल रहे हैं। और ये लोग उनके चारों ओर हैं और यीशु को धक्का लग रहा है, धक्का लग रहा है और धक्का लग रहा है, शायद जब वह और यार्डर साथ-साथ चल रहे हैं। और फिर उसे कुछ महसूस होता है।

उसे अपने शरीर से किसी तरह की ऊर्जा निकलती हुई महसूस होती है। और तभी वह कहता है, मुझे किसने छुआ? और उसके शिष्य कहते हैं, मुझे माफ़ करें, सर, कोई अनादर नहीं, लेकिन हर कोई आपको छू रहा है? तो, हमें यकीन नहीं है कि आप ऐसा क्यों कह रहे हैं। और वह कहता है, नहीं, लेकिन किसी ने मुझे छुआ है।

और यीशु का मतलब था कि किसी ने मुझे छुआ था, और यह उपचार वहाँ से जुड़ा हुआ था। वह किससे डरती थी? वह अशुद्ध थी, है न? यह स्पष्ट है कि रक्तस्राव उसके चक्र से संबंधित है, और वह 12 वर्षों से रक्त के प्रवाह को रोकने में सक्षम नहीं थी, और वह डॉक्टर से डॉक्टर के पास गई। वे उसके लिए कुछ नहीं कर सके।

और फिर वह रस्सी के अंत में थी। उसे कुछ समझ नहीं आ रहा था कि क्या करे। उसने सुना कि यीशु आ रहा है।

वह यीशु के पास कैसे पहुँची? वह भीड़ को चीरती हुई आगे बढ़ती गई, और करीब आती गई और शायद यीशु के पीछे आ गई। और उसने कहा, अगर मैं सिर्फ उसके लबादे को छू लूं, अगर मैं सिर्फ उसके कपड़े के किनारे को छू लूं, तो मैं शुद्ध हो जाऊंगी। और वह चली गई, और उसने उसके कपड़े को छू लिया।

और फिर ऐसा होता है। फिर क्या हुआ? तब यीशु ने उसकी ओर देखा और महसूस किया, तुम ही हो जिसने मुझे छुआ है। और वह घबरा गई, और उसे इस चिंता के दौरों ने घेर लिया।

हे भगवान, मैं गंभीर मुसीबत में पड़ने जा रही हूँ। किस बात के लिए? भीड़ में मौजूद सभी लोगों को छूने के लिए। वह आगे बढ़ गई।

उसे किसी के पास नहीं जाना था। उसे अपने हाथ दूर रखने थे, बिल्कुल कोढ़ी की तरह। जब वह उसके पास आती है, तो वह वास्तव में यीशु को छूती है।

सभी पापों में सबसे बड़ा पाप, एक अशुद्ध व्यक्ति द्वारा यीशु को छूना। फिर से, आप बस आकर किसी को छू नहीं सकते; आप आमतौर पर पहले अनुमति मांगते हैं। खैर, उसने ऐसा नहीं किया क्योंकि वह डर गई थी।

तो वह यहाँ है। वह गंभीर संकट में पड़ने जा रही है क्योंकि उसने संक्रमित किया, उसने बहुत से लोगों को छुआ और उन्हें अशुद्ध कर दिया। हम संस्कृति की समझ से यह समझते हैं।

हमें यह समझ शुद्ध और अशुद्ध की समझ से मिलती है। और हमें यह समझ उसके द्वारा किए गए काम की शारीरिक स्थिति से मिलती है। और अब यीशु कहते हैं, चिंता मत करो।

सब ठीक है। तुम्हें कोई परेशानी नहीं होगी। शांति से जाओ।

आप ठीक हो गए हैं। और ठीक होने के साथ ही, शुद्धिकरण भी होगा। उसे शायद कुछ अनुष्ठान करने पड़े और सूर्यास्त तक अलग-थलग रहना पड़ा, जैसा कि लेविटिकस में आदेश दिया गया था।

तो, संस्कृति का यह दृष्टिकोण हमें अंतर्दृष्टि देता है, किस बात का एहसास? एहसास कि उसे पता चल गया है। एहसास कि वे उसे सज़ा दे सकते हैं। वह इस स्थिति से वाकिफ थी कि उसने जो किया उसके लिए उसे सामना करना पड़ेगा।

और वह जानती थी कि उसने कुछ गलत किया है जो उसे इस समाज के रीति-रिवाजों के अनुसार नहीं करना चाहिए था। इसलिए, जब हम इस पाठ को पढ़ते हैं तो यह सब हमारे दिमाग में होता है। जब हम तंजानिया में इसका अनुवाद कर रहे थे, तो मुझे पता था कि यहाँ कुछ है लेकिन मैं वास्तव में निश्चित नहीं था।

बाद में, मैं आया और शब्दार्थ विज्ञान, संज्ञानात्मक शब्दार्थ विज्ञान और इन सभी अन्य चीजों पर अध्ययन किया। और फिर मैंने सोचा, यही तो यहाँ हो रहा है। यह विशेष वाक्यांश और यह विशेष परिदृश्य इस पूरी संस्कृति में समाहित है।

और इसलिए, मुझे इसका एहसास हुआ। लेकिन जब हम दक्षिणी तंजानिया की इन भाषाओं में इसका अनुवाद करने की कोशिश कर रहे थे, तो मुझे लगा कि कुछ गड़बड़ है। लेकिन मैं इसका पता नहीं लगा सका।

घर आकर और अधिक अध्ययन करने के बाद, मुझे पता चला कि यहाँ क्या हो रहा था। इसलिए, जब हम संदर्भ के बारे में बात करते हैं, तो हम पाठ के बारे में बात कर रहे होते हैं, हम परिदृश्य के बारे में बात कर रहे होते हैं, हम कई अलग-अलग चीजों के बारे में बात कर रहे होते हैं। हमने पहले जिन चीजों का उल्लेख किया था, उनमें से एक थी संवाद का रजिस्टर और पाठक के लिए पाठ का रजिस्टर।

हमने विधा के बारे में बात की। यह किस तरह की विधा है? यह एक कथा है। यह एक विवरण है।

यह संभवतः तथ्यात्मक है। और इसमें आध्यात्मिक शिक्षा का मुद्दा भी हो सकता है। यीशु इसे सामने लाते हैं।

तुम्हारे विश्वास ने तुम्हें ठीक कर दिया है। फिर वह आगे बढ़ता है और यार्डर के साथ भी यही करता है। तो, विश्वास ही मुख्य बात है।

फिर, आप पूरे प्रवचन को देखें। तो, आपके पास जैरस है, आपके पास महिला है, आपके पास विश्वास है। तो, यह सब एक साथ फिट बैठता है।

और हम यह सब देखते हैं क्योंकि हम समझने की कोशिश कर रहे हैं। और इसलिए, वास्तव में, हम जो कह रहे हैं वह यह है कि हम पाठ को देखते हैं। हम पाठ के बारे में जो कुछ भी जानते हैं उसे एक साथ रखने की कोशिश कर रहे हैं ताकि हम यह पता लगा सकें कि लेखक द्वारा यहाँ क्या संप्रेषित किया जा रहा है।

लेकिन फिर हमारे पास एक और चीज़ भी है। हम उस परिदृश्य को देखते हैं। और जब हम देखते हैं कि क्या हुआ तो वह परिदृश्य वास्तव में हमें चीज़ों को स्पष्ट करने में मदद करता है।

महिला क्यों डरी हुई थी? घटना में जो हुआ वो क्यों हुआ? लोगों ने जो कहा वो क्यों कहा? इसलिए, संचार और अनुवाद में, हमें सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को समझना होगा। बाइबिल के पाठ को समझने के लिए हमें इसे ठीक से समझना होगा। संस्कृति को समझना हमारे लिए अंतराल को भर सकता है।

संचार में बहुत सी खामियाँ हैं जो हमें समझ में नहीं आतीं। यहाँ तक कि जो बातें स्पष्ट हैं वे भी हमें सब कुछ नहीं बतातीं। जैसे कि वह अपने साथ हो रही घटना से डरी हुई थी।

हम नहीं जानते कि इसका क्या मतलब है। यह स्पष्ट है। यह हमें बताता है।

लेकिन निहित वस्तु क्या है? हम नहीं जानते। लेकिन हमें गहराई से देखना होगा और इसकी जांच करनी होगी। और फिर हम कहते हैं, हम अंतराल को कैसे भर सकते हैं? तो, एक तरीका यह है कि हमने कौन सा शब्द चुना? तो, अगर आप उस शब्द पर वापस जाते हैं कि क्या आप मुझे शुद्ध करेंगे या मुझे शुद्ध करेंगे, तो हमने जो शब्द चुना वह अनुष्ठान शुद्धता के संदर्भ के साथ फिट बैठता है।

यह उन तरीकों में से एक है जिससे हम सांस्कृतिक रूप से सार्थक भाषा का अनुवाद कर सकते हैं। दूसरी बात, कभी-कभी आप पाठ को वैसे ही छोड़ना चाहते हैं, लेकिन आप एक फुटनोट जोड़ना चाहते हैं जो बताता है कि वह इस बारे में क्या बात कर रहा था या क्या हो रहा था। लेकिन कुष्ठ रोग जैसी बड़ी बीमारी के साथ, कुष्ठ रोग स्वच्छता और अनुष्ठान शुद्धता के इस विशाल सांस्कृतिक ढाँचे में इतना उलझा हुआ है, और फिर उसके भीतर उप-फ्रेम हैं, और उन उप-फ्रेमों में से एक कुष्ठ रोग है।

इसलिए, कभी-कभी फुटनोट में लिखना बहुत मुश्किल हो जाता है, और इसलिए आप इसे शब्दावली में डाल देते हैं, और आप इनमें से कुछ चीज़ों को समझा सकते हैं। हमारी बाइबल में शब्दावली है। यह तय नहीं है कि इन दूसरी बाइबलों में भी शब्दावली होगी, लेकिन अगर वहाँ

शब्दावली है, तो कम से कम लोगों के पास समझने के लिए ज़्यादा संसाधन होंगे, खासकर अगर हमें ऐसा पाठ चाहिए जो ग्रीक भाषा के रूप के ज़्यादा करीब हो।

उन्हें कहीं न कहीं अंतराल भरने की आवश्यकता है, और इसलिए हम ऐसा करने का प्रयास करते हैं। हम उन अंतरालों को कहां भर सकते हैं? ठीक है, तो आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, और हम अगली बातचीत में सांस्कृतिक अंतर के इस विषय पर चर्चा जारी रखेंगे। धन्यवाद।

यह डॉ. जॉर्ज पेटन द्वारा बाइबल अनुवाद पर दिए गए उनके व्याख्यान हैं। यह सत्र 9 है, अनुवाद और संचार में चुनौतियाँ, सांस्कृतिक मुद्दे, भाग 1।